सफलता की कहानी

बुंदेलखण्ड क्षेत्र में ककरुआ गॉव के किसानों की बदली किस्मत

ककरुआ गॉव ललितपुर शहर से 6.0 किलोमीटर दूरी पर स्थित है इस गॉव की कुल जनसंख्या 2580 साक्षरता दर 65% तथा कुल क्षेत्रफल 750 हेक्टर है जिसमें कुल 680 हेक्टर कृषि योग्य भूमि है। खरीफ मौसम में मुख्य रूप से उर्द, मूंग, मक्का, ज्वार, सोयाबीन और मूंगफली जबकि रबी में गेहूँ, मटर, चना, मसूर और सरसों आदि की खेती होती है। सब्जियों में किसान बैंगन, टमाटर, भिंडी, मिर्च, फूलगोभी, पालक, मूली, खीरा और प्याज लगाते हैं। गॉव में 700 भैंस, 200 गाय और 900 बकरियाँ पालते हैं।

ग्रामीण सहभागिता मूल्याकंन द्वारा वास्तविक समस्यायों की पहचान:

केवीके,ललितपुर,उ0प्र0के वैज्ञानिकों द्वारा अंगीकृत गॉव ककरुआ में ग्रामीण सहभागिता मूल्याकंन (पीआरए) तकनीक द्वारा गॉव की मुख्य समस्याओं की पहचान करते हुए पाया कि लगभग 80 प्रतिशत किसान लघु एवं सीमान्त हैं जिनकी आर्थिक स्थिति अत्यतं खराब होने से वे सभी गरीबी में जीवनयापन कर रहे हैं। कृषि और पशुपालन के क्षेत्र में उच्च उत्पादन लागत, फसलों की पुरानी प्रजातियों के इस्तेमाल तथा मृदा उर्वरता में कमी के कारण उपज में गिरावट, सब्जियों में कीट–व्याधियों का प्रकोप, कृषि उत्पादों एवं दूध का स्थानीय ग्वालाओं द्वारा कम कीमत पर क्रय किए जाने के कारण उचित मूल्य नहीं मिलना, असंतुलित आहार और आयरन की कमी के कारण महिलाओं में एनीमिया और बच्चों में कुपोषण, संसाधनों की कमी, जागरूकता और कौशल की कमी के कारण उद्योग न होना, संचार की कमी से ग्रामीण युवाओं और किसानों में बेरोजगारी, कृषि कार्यों के लिए पारंपरिक औजारों और उपकरणों का उपयोग करने से कृषि कार्यों के दौरान कृषक महिलाओं का अत्यधिक परिश्रम किया जाना तथा दुधारु पशुओं हेतु वर्षभर हरा चारा उपलब्ध न होना आदि प्रमुख समस्यायें शामिल थी । कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों द्वारा सन् 2023 में ग्रामीणों की समस्याओं को चिन्हित करते हुए प्रभावी कार्ययोजना तैयार कर कृषक एवं कृषक महिलाओं के स्वयम् सहायता समूहों का गठन करते हुए जनपद स्तरीय कृषि, उद्यान, पशुपालन आदि विभागों के समन्वय द्वारा कार्य प्रारम्भ किया गया ताकि गॉव का सर्वागींण विकास किया जा सके।

जनपद स्तरीय अधिकारियों द्वारा कार्य योजना पर मंथन

केवीके द्वारा प्रभावी कार्ययोजना का प्रभावी कियान्वयन

क्र.सं.	विवरण	मात्रा	कार्यक्रम	कृषक संख्या
1.	पी.आर.ए. सर्वेक्षण वर्ष-2023		01	378
2.	क्षमता विकास हेतु प्रशिक्षण आयोजन			
	आफ कैम्पस		09	180
	आन कैम्पस (5 दिवसीय)		05	24
	स्वरोजगार प्रशिक्षण - सिलाई और कढ़ाई (21 दिवसीय)		03	32
3.	महिला स्वयम् सहायता समूह का गठन वर्ष-2023	–	1	18

4.	मृदा परीक्षण आधारित पोषक तत्व प्रबंधन	प्रशिक्षण एवं मृदा परीक्षण कार्य	2	72
5.	एकीकृत फसलोत्पादन तकनीक	समूह अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन	5	281
	गेंहूँ (DBW-187, DBW-303)	80कि.ग्रा. प्रति कृषक बीज वितरण	01	71
	सोयाबीन (JS -2034, JS -2098)	30कि.ग्रा.प्रति कृषक बीज वितरण	01	13
	उर्द (IPU13-1)	6कि.ग्रा.प्रति कृषक बीज वितरण	1	77
	मसूर(KLB-345)	20कि.ग्रा. प्रति कृषक	1	38
	सरसों (RH-725)	2 कि.ग्रा.प्रति व्यक्ति प्रति कृषक	1	34
	एस.सी.एस.पी परियोजनाअंतर्गतउर्द प्रजाति(IPU13-1)	6कि.ग्रा.प्रति व्यक्ति प्रति कृषक	1	48
6.	पशुधन उत्पादन और प्रबंधन			
	हरा चारा बीज– बरसीम (वरदान)	1 कि.ग्रा.प्रति पशुपालक	1	15
	हरा चारा बीज– जई (जे.एच.ओ. 822)	5 कि.ग्रा.प्रति पशुपालक	1	22
	कीट एवं रोग प्रबंधन	कीटनाशक-बाह्यपरजीवी दवा वितरण	1	26
7.	फलदार पौधों का वितरण	नींबू, किन्नू, मौसंबी, मीठा नींबू	1	42
8.	किचिन गार्डन हेतु सब्जी पौध एवं बीज	सब्जी किट, पौध वितरण	1	26
9.	उर्द प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन	उर्द-IPU13-1	1	44
10.	बालिनी दुग्ध संग्रह केंद्र(स्थापना वर्ष–2024)	केवीके द्वारा दुग्ध संग्रह केंद्र की स्थापना	1	105

केवीके द्वारा अंगीकृत गॉव ककरुआ में सामाजिक एवं आर्थिक बदलाव

क्र.सं.	कार्यविवरण	परिणाम एवं प्रभाव			सामाजिक–आर्थिक प्रभाव
		पूर्व	पश्चात		
1.	दुग्ध संग्रहण केंद्र की स्थापना	दुग्ध संग्रह-320ली./ दिन मूल्य– रु. 35/ ली. कुल आमदनी=रु. 11200/दिन	दुग्ध संग्रह-550ली./ दिन औसत मूल्य– रु.65/ ली.(वसा आधार) कुल आमदनी=रु.35750/दिन	अतिरिक्त कुल आमदनी रु.24550 प्रतिमाह	आर्थिक वृद्धि होने से कुल 105 परिवारों के रहन–सहन स्तर में सुधार 50 भैंसे क्रय किया गया
2.	**फसलों की उच्च उत्पादन क्षमता वाली प्रजातियों का प्रदर्शन**				
	उर्द फसलोत्पादन	प्रजाति–आजाद–2 पैदावार -5.8 कु./हे. समस्या–वाईएमवी रोग सहिष्णु	प्रजाति– IPU13-1 उत्पादकता –7.6 कु./हे. विशेषता–वाईएमवी प्रतिरोधक	उत्पादकता वृद्धि –31 % अतिरिक्त उत्पादन–138.6 कु0, अतिरिक्त आयरु.1081080 /	बीज प्रतिस्थापन में वृद्धि, क्रय शक्ति में वृद्धि, पोषण क्षमता में सुधार, रहन–सहन स्तर में सुधार
	सोयाबीन फसलोत्पादन	प्रजाति–JS-7244 पैदावार -14.0कु./हे. समस्या–वाईएमवी रोग सहिष्णु	प्रजाति– JS 2098, JS 9535 उत्पादकता–20.8कु./हे. विशेषता–पीला चित्रवर्ण रोग प्रतिरोधी	उत्पादकता वृद्धि–42 % कुल अतिरिक्त उत्पादन–88.4 कु0,अतिरिक्त आयरु.432453 /-	

गेंहू फसलोत्पादन :

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के अंतर्गत समूह अग्रिम पक्ति प्रदर्शन का आयोजन कराया गया जिसमें एकीकृत फसल प्रबंधन तकनीक द्वारा फसल की नवीन उन्नतिशील एवं जलवायुपरक प्रजाति, फसल सुरक्षा रसायन एवं सूक्ष्म पोषक तत्वों की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए गेंहूँ प्रजाति DBW–187 एवं DBW-303 जिनकी उत्पादकता 52.0 कु0/हे0 प्राप्त तक हुई है जो कृषक प्रजाति की तुलना में 48% अधिक मिली जिसके परिणमस्वरुप गॉव में 71 कृषक प्रक्षेत्रों पर गेंहूँ का कुल 426 कु0 अतिरिक्त उत्पादन प्राप्त होने से कुल रु0 9.69 लाख की अतिरिक्त आय हुई ।

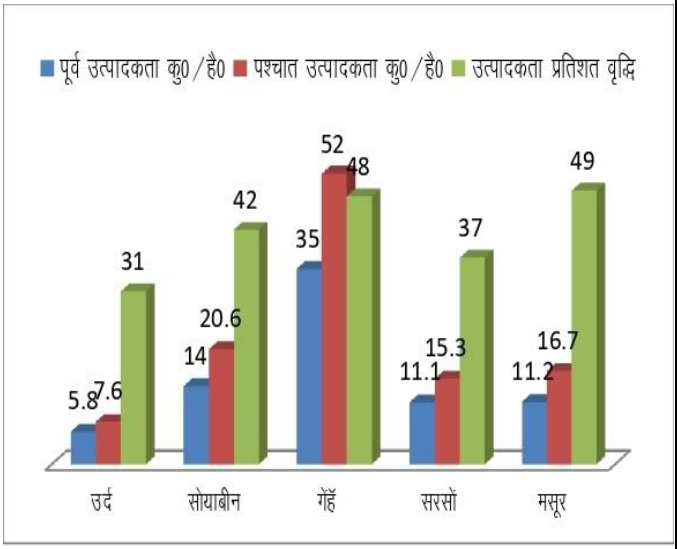

समुह अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन द्वारा विभिन्न फसलों की उत्पादकता में वृद्धि

मसूर फसलोत्पादन	प्रजाति–DPL 57 पैदावार -11.2कु./हे. समस्या–विल्ट रोग सहिष्णु	प्रजाति– KLB-345 उत्पादकता –16.7कु./हे. विशेषता–रस्ट और विल्ट प्रतिरोधी	उत्पादकता वृद्धि–49 % कुल अतिरिक्त उत्पादन–209.0 कु. अतिरिक्त आयरु.1342825 /-	
सरसों फसलोत्पादन	प्रजाति–वरुणा पैदावार -11.1कु./हे. समस्या–पाउड्री मिल्डयू रोग सहिष्णु	प्रजाति–(RH-725) उत्पादकता –15.3कु./हे. विशेषता–उच्च उपज, रोग प्रतिरोधक क्षेत्र अनुकूलनशीलता	उत्पादकता वृद्धि–37 % कुल अतिरिक्त उत्पादन–142..8कु0 अतिरिक्त आय रु.849660 /-	
3.	**पशुधन उत्पादन और प्रबंधन**			
प्रशिक्षणएवं पशु स्वास्थ्य शिविर	पशु प्रबंधन की तकनीकी जानकारी एवं पशुस्वास्थ्य के प्रति जागरुकता का अभाव	पशु प्रबंधन : टीकाकरण, डिवर्मिग, पशुशाला की देखरेख रोजगारप्रशिक्षण एवं पशु बीमा हेतुएच.एस. टीकाकरण, कृमिनाशक, खनिज मिश्रण, यकृत टॉनिक, प्रोबायोटिक दवाओं का वितरण	पशुपालकों की जागरूकता में वृद्धि, दूध उत्पादन 20.15% वृद्धिहुई	585 गाय–भैंस–बकरी आदि पशुओं के स्वास्थ्य में सुधार,आय में वृद्धि
वर्ष भर हरा चारा उत्पादन	वर्ष भर हरे चारे का उपलब्धता का अभाव	नेपियर घास, बरसीम (बीबी–3), जई (जेएचओ–822) चरी (एमपी चरी)कावर्ष भर हरा चारा उपलब्धता	हरा चारा उत्पादन में 25% वृद्धि, अतिरिक्त दुग्ध उत्पादन : 33 ली० आयरु.2145 /-	आय में वृद्धि पशु स्वास्थ्य में सुधार
4.	**कलमी फलदार पौधों का वितरण**	बागवानी क्षेत्रफल का अभाव	बागवानी के अंतर्गतनीबू, किन्नू, मौसंबी और मीठे नींबू के पौधे वितरित किए गए	भविष्य हेतु आमदनी का आधार तैयार करना	बागवानी क्षेत्रफल मेंवृद्धि
5.	**सब्जी बीज किट, पौधवितरण**	गृह वाटिका के प्रति जागरुकता का अभाव	मिर्च,टमाटर,बैगन,शिमलामिर्च, कद्दू, खीरा, तरोईइत्यादि गृह वाटिकामें लगाया	अतिरिक्त रु.2680प्रतिमाहका बचत किया	गृह वाटिका क्षेत्रफलमें वृद्धि

6	ग्रामीण बेरोजगार युवाओं हेतु प्रशिक्षण	तकनीकी दक्षता का अभाव	स्वरोजगार हेतु प्रशिक्षण देकर क्षमता विकास	समूह के माध्यम से सिलाई का कार्य करने हेतु केवीके के माध्यम से प्रयास शुरू किया	अपना व्ययसाय शुरू करने के लिए बैंक से लोन के लिए आवेदन किया गया
7.	स्वास्थ्य शिविर आयोजन	मानव स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का अभाव	आयुष विभाग एवं केवीके के सहयोग से ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण कर 165 लोगों को दवा वितरित की गई	वे अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हो गए	जीवन स्तर में सुधार
8.	स्वयं सहायता समूह गठन	दुधियों द्वारा कम दरों पर दूध क्रय किया जाना	ककरुआ कृषक महिला स्वयं सहायता समूहका गठन	स्वयं सहायता समूह की मदद से दूध संग्रह, मल्टीग्रेन आटा एवं लड्डूइत्यादिबनाना	आय में वृद्धि पोषण क्षमता में सुधार जीवन स्तर में सुधार

ककरुआ गाँव में कराए गए विभिन्न गतिविधियों की झलकियाँ

मा0 सदर विधायक श्री राम रतन कुशवाहा बलिनी दुग्ध संग्रह केंद्र का उद्घाटन करते हुए

ककरुआ गॉव में पशुपालन विभाग के सौजन्य से पशु स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

आयुष विभाग द्वारा स्वास्थ्य शिविर एवं पौध रोपण कार्यक्रम का आयोजन

केवोके पर सिलाई बुनाई विषय पर 21 दिवसीय स्वरोजगार प्रशिक्षण

प्रभाव:

- **आर्थिक समृद्धि द्वारा रहन सहन स्तर में बदलाव:** केवीक द्वारा महिला स्वयं सहायता समूह का गठन करके समिति सदस्यों द्वारा प्रतिदिन 320 लीटर दुग्ध का संग्रह कर बलिनी दुग्ध संग्रहण केंद्र की स्थापना की गयी जिससे वसा आधारित दुग्ध विक्रय किया जा रहा है जो पूर्व में ग्वाला द्वारा निर्धारित प्रति लीटर दुग्ध दर की तुलना में 85% अधिक कीमत मिल रहा है जिससे ग्रामीण जनों को प्रतिमाह रु0 2.88 लाख की अतिरिक्त आमदनी हो रही है साथ ही
- **प्रमुख फसलों की उत्पादकता में वृद्धि :**राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के अन्तर्गत फसलों की नवीन एवं उन्नतिशील प्रजातियों के प्रयोग से गेंहू में 48 %,उर्द में 31%,सोयाबीन में 42%,सरसों में 37 %एवं मसूर में 49 % वृद्धि हुई जिसके फलस्वरुप गॉव में 1005 कुन्टल अतिरिक्त उत्पादन प्राप्त हुआ है जिससे रु0 46.8 लाख की अतिरिक्त आमदनी हुई ।
- **न्यूट्री गार्डन द्वारा जैविक सब्जी उत्पादन** : महिलाएं एवं बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार हेतु न्यूट्री गार्डन से परिवार की प्रतिदिन सब्जी की खपत की प्रतिपूर्ति हेतु मौसम के अनुरूप जैविक सब्जियों के उत्पादन से प्रति माह लगभग रु03000की बचत हो रही है साथ ही महिलाओं एवं पुरुषों के स्वास्थ्य में निरन्तर सुधार हो रहा है एवं स्वास्थ्य शिविर के माध्यम से सामान्य दवाओं के वितरण एवं चिकित्सीय सलाह के प्रभाव से लगभग 8 प्रतिशत ग्रामीणजनों के स्वास्थ्य में सुधार हुआ है ।

केवीके द्वारा जनपद ललितपुर, उ0 प्र0 के गॉव ककरुआ में अपनाये गए मॉडल की पुनरावृति हेतु अन्य गॉव खिरियामिश्र, महेशपुरा, बम्हौरीकला, जाखलौन एवं कल्यानपुरा में जनपद स्तरीय विभागों के साथ समन्वय करते हुए कार्य योजना तैयार करने का कार्य प्रगति पर है ताकिअधिक से अधिक ग्रामीणजनों के रहन–सहन स्तर में बैहतर बदलावकिया जा सके ।

(स्रोत : कृषि विज्ञान केन्द्र, ललितपुर, प्रसार निदेशालय, बीयूएटी, बांदा, उ0प्र0)